NCERT Solutions For Class 10 Hindi (Kshitij)

CH 5 – ये दंतुरित मुस्कान, फसल – नागार्जुन

1. बच्चे की दंतुरित मुसकान का कवि के मन पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर: बच्चे की दंतुरित मुस्कान से कवि अत्यंत ही प्रभावित होता है , वह बच्चे की इस मनहारी मुस्कान पर इतना मोहित होता है कि वह उसकी तुलना कमल से भी करता है और यह भी कहता है की इस मुस्कान से पत्थर हृदय इंसान भी पानी की तरह पिघल जाये।

2. बच्चे की मुसकान और एक बड़े व्यक्ति की मुसकान में क्या अंतर है?

उत्तर: बच्चे की मुस्कान जहाँ छोटी चीजों , बिना किसी खास वजह एवं निस्वार्थ और निश्छल हृदय से उत्पन होती है जो कि उसे अत्यंत ही मनहर बनाती है वहीं बड़े लोगों की मुस्कान के पीछे स्वार्थ, विवशता एवं औपचारिकता जैसी चीजें छुपी होती है जो कि इसे बनावटी बना देता है एवं इसकी खूबसूरती छीन लेता है।

3. कवि ने बच्चे की मुसकान के सौंदर्य को किन-किन बिंबों के माध्यम से व्यक्त किया है?

उत्तर: कवि ने बच्चे की मुस्कान के सौंदर्य को निम्नलिखित बिम्बों के माध्यम से व्यक्त किया है

1. कमल के फूल से,
2. पत्थर को भी पिघलाने की ताकत से
3. बाँस या बबूल से शेफ़ालिका के फूलों का झड़ना
4. मृतक में भी जान डाल देना

4. भाव स्पष्ट कीजिए:

(i) छोड़कर तालाब मेरी झोपड़ी में खिल रहे जलजात।

उत्तर: प्रस्तुत पंक्तियों से यह भाव स्पष्ट होता है कि कवि बच्चे की दंतुरित मुस्कान से इतना प्रभावित हुआ है कि उसे ऐसी अनुभूति हो रही है जैसे जल में जन्म ले कर उसकी खूबसूरती बढ़ाने वाला कमल जल को छोड़ कर साक्षात उसकी झोपड़ी में खिल गया हो।

(ii) छू गया तुमसे कि झरने लग पड़े शेफालिका के फूल बाँस था कि बबूल?

उत्तर: प्रस्तुत पंक्तियाँ यह भाव देती है कि बच्चों की मुस्कराहट अगर किसी कठोर हृदय एवं संवेदनाशून्य वयक्ति को भी छू कर निकले अर्थात उसको दृष्टिगत हो तो शेफालिका के खूबसूरत पुष्पों के सामान उसके चेतना को सुरभित कर दे।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

रचना और अभिव्यक्ति

5. मुसकान और क्रोध भिन्न-भिन्न भाव हैं। इनकी उपस्थिति से बने वातावरण की भिन्नता का चित्रण कीजिए।

उत्तर: मुसकान और क्रोध दोनों ही एकदम अलग एवं विपरीत भाव हैं। मुसकान जहाँ , मन में प्रसन्नता और वातावरण में उल्लास भर जाता है।मुसकान कठोर हृदय के संवेदनहीन व्यक्तित्व वाले हृदय को भी कोमल और भावयुक्त बना देती है। जबकि; ठीक इसके विपरीत क्रोध से ,मन अशान्त और वातावरण तनावयुक्त 0बन जाता है।क्रोध से हृदय कठोर और संवेदनाहीन हो जाता है।लोगों में भय और आतंक उत्पन्न हो जाता है, जिससे गैर तो गैर अपने भी पराए बन जाते हैं।

6. दंतुरित मुसकान से बच्चे की उम्र का अनुमान लगाइए और तर्क सहित उत्तर दीजिए।

उत्तर: बच्चों के दाँत सामन्यतया: 9 महीने से लेकर एक साल में आने लगते हैं। परन्तु यहाँ माँ उँगलियों से मधुपर्क करा रही है। अतः बच्चे की आयु लगभग १ वर्ष की लगती है।

7. बच्चे से कवि की मुलाकात का जो शब्द-चित्र उपस्थित हुआ है उसे अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर: कवि और वह बच्चा दोनों अपरिचित थे लेकिन बच्चा उसे एकटक देखता रहता है। बच्चे ने कवि की उंगलियाँ पकड़ रखी थी और अपलक कवि को निहार रहा था। बच्चा कहीं देखते-देखते थक न जाए, ऐसा सोचकर प्रेमवश कवि कहता है कि क्या वह अपनी आँखें फेर ले। लेकिन बच्चा उसे तिरछी नज़रों से देखता है, और जब दोनों की आँखें मिलती हैं तो बच्चा मुस्करा देता है। उसकी मुस्कान को देखकर कवि का निराश मन हर्षित हो जाता है। उसे ऐसा लगता है जैसे कमल के फूल तालाब को छोड़कर उसके झोंपड़ें में खिल उठे हैं।

8. कवि के अनुसार फसल कया है?

उत्तर: कवि के अनुसार फसल ढ़ेर सारी नदियों के पानी, अनेक लोगों के हाथों के स्पर्श की गरिमा तथा बहुत सारे खेतों की मिट्टी के गुण का संयुक्त परिणाम है। यह किसी भी एक जन के व्यक्तिगत मेहनत का परिणाम नहीं है अतः किसी के एकल अधिकार की भी चीज़ नहीं है।

9. कविता में फसल उपजाने के लिए आवश्यक तत्वों की बात कही गई है। वे आवश्यक तत्व कौन-कौन से हैं?

उत्तर: उपरोक्त कविता में कवि ने फसल उपजाने के लिए मानव परिश्रम, पानी, मिट्टी, सूरज की किरणोंतथा हवा जैसे तत्वों को आवश्यक कहा है।

10. फसल को 'हाथों के स्पर्श की गरिमा' और 'महिमा' कहकर कवि क्या व्यक्त करना चाहता है?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर: कवि ने यहाँ फसल के उपजने को मानव के श्रम से जोड़ा है चूँकि किसानों और मजदूरों द्वारा की गई मेहनत और उनके लग्न के कारण ही फसल का उपजना संभव हो पाता है| इसके बिना प्रकृति के तत्व की सार्थकता फसल उपजाने में व्यर्थ हैं|

11.भाव स्पष्ट कीजिए -
रूपांतर है सूरज की किरणों का
सिमटा हुआ संकोच है हवा की थिरकन का!
उत्तर: इन पंक्तियों में फसल उपजाने में सूरज की किरणों तथा हवा के योगदान को दर्शाया गया है। फसल प्रकृति से अपना भोजन प्राप्त करती है| सूरज की किरणें अपनी ऊष्मा प्रदान कर फसल को पकने में मदद करती हैं तो वहीं हवा की मंद गति फसल के बढ़ने में सहायक हैं|

रचना और अभिव्यक्ति

12. कवि ने फसल को हज़ार-हज़ार खेतों की मिट्टी का गुण-धर्म कहा है -
(क) मिट्टी के गुण-धर्म को आप किस तरह परिभाषित करेंगे?
(ख) वर्तमान जीवन शैली मिट्टी के गुण-धर्म को किस-किस तरह प्रभावित करती है?
(ग) मिट्टी द्वारा अपना गुण-धर्म छोड़ने की स्थिति में क्या किसी भी प्रकार के जीवन की कल्पना की जा सकती है?
(घ) मिट्टी के गुण-धर्म को पोषित करने में हमारी क्या भूमिका हो सकती है?
उत्तर:
(क) मिट्टी के गुण-धर्म का मतलब है उसमें मौजूद प्राकृतिक और पोषक तत्व, खनिज पदार्थ जो मिट्टी का रंग और स्वरूप निश्चित करती है। मिट्टी की अधिक उपजाऊ क्षमता से फसल का उत्पाद भी अधिक होता है|

(ख) वर्तमान जीवन-शैली मिट्टी को प्रदूषित कर रही है। उपयोग में लाए जा रहे हैं अनेक प्रकार के रासायनिक तत्व, उर्वरक, कीटनाशक, प्लास्टिक निर्मित वस्तुएँ मिट्टी के मूल स्वरूप को नष्ट कर रही हैं जिसका नकरात्मक प्रभाव फसल पर भी पड़ रहा है|

(ग) अगर मिट्टी ने अपना गुण-धर्म छोड़ दिया तो धरती से हरियाली का, पेड़-पौधे और फ़सल आदि का नामोनिशान मिट जाएगा। इनके अभाव में धरती पर जीवन की कल्पना ही नहीं की जा सकती ।

(घ) हम मिट्टी को वृक्षारोपण कर, प्लास्टिक की वस्तुओं का उपयोग बंद कर, कारखानों को सीमित कर, रासायनिक तत्वों का उपयोग काम कर हम मिट्टी के गुण-धर्म को पोषित कर सकते हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in